आर्थिक समीक्षा
2020-21

खण्ड 1

भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग
आर्थिक प्रभाग
नॉर्थ ब्लॉक
नई दिल्ली–110001
ई–मेल: cordecdn-dea@nic.in
जनवरी, 2021

विषय सूची

अध्याय सं.	पृष्ठ सं.	अध्याय का नाम
1		**सदी में विरले ही आनेवाले संकट में जीवन और आजीविका को बचाना**
	3	कोविड-19: सदी में विरले ही घटित होने वाली घटना
	6	अभूतपूर्व अनिश्चितता के बीच अनुसंधान से उभरी नीतिगत प्रक्रिया
	15	माननीय दिद्धांत से उपजी भारतीय प्रक्रिया: अल्पकालिक हानि, दीर्घकालिक लाभ
	17	महामारी के नियंत्रण में शुरुआती लॉकडाउन की प्रभावशीलता
	26	भारत: लहरों के विरुद्ध तैरना
	29	समयोचित तीव्र लॉकडाउन के कारण V-आकार में आर्थिक रिकवरी
	32	आर्थिक सुधार के लिए दूरदर्शी नीति प्रतिक्रिया
	39	भावी परिदृश्य
2		**क्या विकास ऋण स्थिरता को जन्म देता है? हाँ, लेकिन इसके विपरीत नहीं!**
	48	भारत में (आर-जी) अवकलन और ऋण स्थिरता
	52	अन्य अर्थव्यवस्थाओं के लिए IRGD और ऋण स्थिरता
	56	भारत में विकास ऋण की स्थिरता की ओर जाता है, इसके विपरीत नहीं
	60	अन्य अर्थव्यवस्थाओं में causality की दिशा
	64	सार्वजनिक व्यय के कारण Crowding Out
	69	भारत के ऋण की संरचना
	72	परिदृश्य विश्लेषण: क्या भारत का वर्तमान ऋण टिकाऊ है?
	76	नीति क्रियान्वयन
3		**क्या भारत की संप्रभु क्रेडिट रेटिंग उसके मूलतत्वों को दर्शाती है? नहीं!**
	82	संप्रभु क्रेडिट रेटिंग में उभरते दिग्गजों के खिलाफ पूर्वाग्रह
	83	भारत की संप्रभु क्रेडिट रेटिंग
	87	क्या भारत का क्रेडिट दर निर्धारण उसके मूलतत्वों को दर्शाता है? नहीं!
	93	क्या भारत की संप्रभु क्रेडिट रेटिंग अतीत में इसके मूल सिद्धांतों को दर्शाती थी? नहीं!
	96	क्या भारत की संप्रभु क्रेडिट रेटिंग इसकी भुगतान करने की इच्छा और
	98	चयनित संकेतकों पर संप्रभु क्रेडिट रेटिंग में बदलाव का प्रभाव
	107	संप्रभु रेटिंग परिवर्तनों के निर्धारक के रूप में व्यापक आर्थिक संकेतक
	112	नीतिगत निहितार्थ
4		**असमानता और विकास: संघर्ष या अभिसरण?**
	118	प्रस्तावना
	119	विकास, असमानता और सामाजिक आर्थिक परिणाम: भारत बनाम उन्नत अर्थव्यवस्था
	132	क्या उत्तम समानता इष्टतम है?
	134	असमानता या गरीबी?
	135	भारत में गरीबी पर आर्थिक विकास और असमानता का सापेक्ष प्रभाव
	139	सारांश और निष्कर्ष

5 **अंततोगत्वा हेल्थकेयर ने अहम् स्थान पा लिया**

146 परिचय
150 स्वास्थ्य सेवा में सिस्टम डिजाइन की आवश्यकता
150 कोविड-19 और भारत की स्वास्थ्य सेवा नीति
152 वर्तमान में भारतीय स्वास्थ्य सेवा
158 बाजार की विफलता के उच्च स्तर द्वारा चिह्नित एक उद्योग में अनियमित निजी उद्यम
165 भारत के निजी बीमा बाजारों में सूचना विषमता
167 टेलीमेडिसिन
168 निष्कर्ष और नीति सुझाव

6 **प्रक्रिया सुधार: अनिश्चितता के तहत निर्णय लेने को सक्षम करना**

175 नियामक प्रभावशीलता की समस्या
179 अपूर्ण नियमों की अनिवार्यता
182 नियामक डिफॉल्ट की समस्या
186 विवेक के लिए हल
190 प्रशासनिक प्रक्रिया सुधारों की दिशा

7 **विनियामक फॉरबीयरेंस: एक आपातकालीन औषधि, न कि मुख्य आहार।**

195 परिचय
198 मूल पाप: सात वर्षीय फॉरबीयरेंस
203 विस्तारित फॉरबीयरेंस की लागत बनाम बैंकिंग क्राइसेस का शीघ्र समाधान: अंतरराष्ट्रीय साक्ष्य
206 बैंक के प्रदर्शन और ऋण देने पर मिलने वाली रियायत से पड़ने वाला प्रतिकूल प्रभाव
220 बाकी दुनिया में बैंक क्लीन-अप्स के सामने महत्वपूर्ण अंतर
230 वर्तमान फॉरबीयरेंस व्यवस्था के निहितार्थ:

8 **नवाचार: नवाचार को अधिक प्रोत्साहन देने की आवश्यकता, वासकर निजी क्षेत्र से**

237 नवाचार पर भारत का प्रदर्शन कैसा है?
249 दस अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत का नवाचार प्रदर्शन
257 भारत के इनोवेशन प्रदर्शन में चलन
263 भारत में आर एंड डी पर व्यय
266 पेटेंट और ट्रेडमार्क में भारत का प्रदर्शन
269 क्या भारतीय नवाचार वित्त पोषण के उपलब्धता से प्रभावित है?
274 क्या भारत प्रभावी ढंग से नवाचार आउटपुट में नवाचार इनपुट का परिवर्तन कर रहा है?
278 नीति निहितार्थ

9 **आयुष्मान भारत-जन आरोग्य योजना (जे.ए.वाई) और स्वास्थ्य परिणाम**

285 प्रस्तावना
287 PM-JAY: अब तक की स्थिति और प्रगति
290 सार्वजनिक वस्तुओं, लोकतंत्र और शासन
291 PM-JAY और कोविड-19
293 PM-JAY और स्वास्थ्य परिणाम: भिन्नता में भिन्नता परिकलन
307 समापन अवलोकन

10 **जरुरी आवश्यकताएं**

312 परिचय

318 समग्र बीएनआई

322 पीने के पानी की उपलब्धता सूचकांक

324 स्वच्छता सूचकांक

325 आवास सूचकांक

327 सूक्ष्म पर्यावरण सूचकांक

328 अन्य सुविधाएँ सूचकांक

329 स्वास्थ्य परिणाम

331 शिक्षा का परिणाम

332 निष्कर्ष

आभारोक्ति

यह आर्थिक समीक्षा 2020-21 मिल-जुलकर किए गए कार्य एवं परस्पर सहयोग का परिणाम है। यह समीक्षा माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन तथा माननीय वित्त राज्य मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर की मूल्यवान टिप्पणियों तथा उनकी अंर्तदृष्टि से अत्यंत लाभांवित हुई है। यह समीक्षा जिन अधिकारियों से प्राप्त टिप्पणियों और उनके द्वारा दी गई जानकारी से भी लाभान्वित हुई है उनमें विशेष रूप से उल्लेखनीय है- श्री तरुण बजाज, टी.वी. सोमनाथन, राजीव कुमार, शेखर सी. मांडेय, रेणु स्वरूप, आशुतोष शर्मा, प्रो. के. विजय राघवन, गुरु प्रसाद महापात्रा, अजय प्रकाश साहनी, ए.के. शर्मा एवं इंदु भूषण।

इस समीक्षा को तैयार करने में आर्थिक प्रभाग के जिन कार्मिकों का योगदान उल्लेखनीय है उनमें: संजीव सान्याल, राजीव मिश्रा, ए. सिरिजा, चांदनी रैना, सुरभि जैन, अभिषेक आचार्य, जितेंद्र सिंह, अविनाश दास, टी. गोपीनाथ, कपिल पाटिदार, रजनी रंजन, प्रेरणा जोशी, धर्मेंद्र कुमार, आकांक्षा अरोड़ा, एम. राहुल, हरीश कुमार कलेगा, तुलसी प्रिया राजकुमारी, गुरविंर कौर, नेहा सिंह, संजना कादयान, अमित श्योरण, श्रेया बजाज, मनोज कुमार मिश्रा, दीक्षा सुप्याल विष्ट, सुभाष चंद, रियाज अहमद खान, मो. आफताब आलम, प्रद्युत कुमार पायने, नरेंद्र जेना, मृत्युंजय कुमार, राजेश शर्मा, अमित कुमार केसरवानी, शोबीन्द्र अक्काई, महिमा, नवीन बाली, लविषा अरोड़ा, सोनाली चौधरी।

यह समीक्षा जिन अधिकारियों की मूल्यवान टिप्पणियों एवं उनके द्वारा प्रदान की गई जानकारियों से लाभान्वित हुई है उनमें मनीष कुमार झा, उपसचिव आर्थिक कार्य विभाग, बिक्रम नाथ, उपनिदेशक आर्थिक कार्य विभाग, इशिता दास, उपनिदेशक, सर्वे डिजाइन एंड रिसर्च प्रभाग एमओएसपीआई, प्रवीन अरोड़ा सलाहकार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, अनीता गुप्ता, सलाहकार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), ए.एन. राय, वैज्ञानिक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, आदिल जैनुलभाई, अध्यक्ष, भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई), चेतक सीतापती, प्रोजेक्ट मैनेजर भारतीय गुणवत्ता परिषद, ऐश्वर्य ग्रोवर, प्रोजेक्ट एसोसिएट, भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई)।

हम विभिन्न अकादमिकों एवं विद्वानों का उनकी टिप्पणियों एवं जानकारियों के लिए आभार प्रकट करते हैं उनमें शामिल हैं अरविन्द पनगडिया, साजिद चिन्नोय, गौतम छॉछरिया, के. विद्यानाथन, शिव दिक्षित, प्रसन्न तंत्री, शास्वत आलोक, यक्षुप चोपरा, नमन निलेष, नितिन मनिल, कीर्ति जैन, वैशाली, श्रीराम वैंकेटारामन, संध्या वैंकेटसरम, सब्यसाची कार, राजेश राज, एस.एन., कुनाल सेन, सुनील तिरूमलाई, दिपोजल साहा, अविनाश कुमार पांडेय, मौलिक चौकसी, अमृता अग्रवाल, राणा मेहता, अश्वनी अग्रवाल, हीना धवन, विपुल अग्रवाल, राम सिंह तथा हेमंत भारथा चक्रवर्ती।

उपर्युक्त के अतिरिक्त भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालय विभाग एवं संगठनों ने भी अपने संबंधित क्षेत्रों में योगदान दिया है। बहुत से मंत्रालयों ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से मुझसे जुड़कर अपनी जानकारियां प्रदान की। आर्थिक समीक्षा इनके मूल्यवान समय, श्रम एवं योगदान के लिए आभार प्रकट करता है। के.राजारमन, मीरा स्वरूप, रविन्द्रर कुमार, जसबीर सिंह, अमित कुमार, संजय कुमार पंडिता, सुनील दत्त, रोहित, सुशील शर्मा, मनीष पवार, मीनाक्षी गुप्ता, सुरेश कुमार अरोड़ा, मोना शाह, जोध सिंह, अजवीर सिंह, एस. रामाकृष्णन, सतेंद्र किशोर, कुलदीप मेहरा मुख्य आर्थिक सलाहकार के कार्यालय और आर्थिक प्रभाग के अन्य स्टाफ सदस्यों द्वारा सक्षम प्रशासनिक सहयोग दिया गया। समीक्षा का मुख्य पृष्ठ इंडिया ब्रांड इक्विटी फाउंडेशन द्वारा डिजाइन किया गया। भारत सरकार मुद्रणालय से श्री शशीपाल सिंह रावत, श्रीमती मीना पंत, श्रीमती आशा भट्टी, श्रीमती कमलेश, श्रीमती रूपा गुप्ता ने हिंदी मुद्रण में सहयोग किया। एलिगेंट पब्लिशिंग (पी) लिमिटेड से इज्जुर रहमान, एनपी शर्मा, दीपक कुमार अग्रवाल, गौतम हलदर और रघुवंश प्रसाद द्विवेदी ने अंग्रेजी और हिंदी संस्करण की पृष्ठ सेटिंग की।

आर्थिक सर्वेक्षण के हिंदी संस्करण में श्रीमति सोनम कालरा, इंटरनेशनल लैंग्वेज इंस्टिच्यूट नोएडा, संयुक्त निदेशक (रा.भा) श्रीमती नीहारिका सिंह, उप-निदेशक डॉ. पूरन सिंह, उप-निदेशक-किरण घिल्डियाल, सुश्री बबीता गुंज्याल, श्री सुभाष चंद्र अवस्थी, श्रीमती अर्चना सिंह, श्रीमती अनीता कुमार, श्री अंकुर भटनागर, श्री वीरेंद्र कुमार चंदोरिया, श्री जितेंद्र कुमार शर्मा, श्री हरिशचंद्र सिंह, प्रविन्द्र कुमार, लेखराज सिंह, प्रदीप कुमार, श्रीमती वीणा, रेखा रानी, आदि का विशेष योगदान रहा।

केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो के निदेशक श्री मोहन लाल वाधवानी और उनकी टीम के प्रति हम आभारी हैं जिनमें श्रीमती लेखा सरीन, श्री विजय कुमार शर्मा, श्रीमती कुसुम शर्मा झा, श्री ध्रुव नारायण आजाद, श्री अजय कुमार चौधरी, श्री रंजीत कुमार साव, श्री सचिन कुमार गुप्ता शामिल हैं।

अंत में, आर्थिक समीक्षा कार्य से जुड़े सभी व्यक्तियों के परिवार जनों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने इस कार्य के दौरान असीम धैर्य और उदारता का परिचय तो दिया ही, साथ ही इस समीक्षा को तैयार करने में अपना निरंतर भावनात्मक सहयोग एवं प्रोत्साहन भी प्रदान किया। आर्थिक समीक्षा में समर्पित सहयोगियों के लिए निस्संदेह उनके परिवार शक्ति के मूक स्तंभ रहे हैं।

कृष्णमूर्ति वी सुब्रमणियन
मुख्य आर्थिक सलाहकार
वित्त मंत्रालय, भारत सरकार

प्राक्कथन

आर्थिक सर्वेक्षण 2020-21 धैर्य औरे करुणा वाली मानव की अमर आत्मा को एक उत्साही श्रद्धांजलि है जो सहज रूप से हमारे अग्रणी कोविड-19 योद्धाओं द्वारा वैश्विक महामारी के विरुद्ध अथक युद्ध द्वारा व्यक्त होती है। आधुनिक इतिहास में अनुभव की गई नितांत अथाह वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल के दरम्यान, प्रत्येक भारतीय के संकल्प को 'जीवन बनाम आजीविका' के अंधेरे से 'जीवन और आजीविका की रक्षा' तक अपनी राह खोजने में मदद मिली है। इस वैश्विक महामारी से लड़ने के लिए हमारी सामूहिक दूरदर्शिता उस समय एकदम स्पष्ट हो गई जब केंद्र, राज्य ओर स्थानीय स्तर पर नीतिगत अंतर्दृष्टि ओर कार्यान्वयन का अभिसरण वी-आकार वाली आर्थिक बहाली की ओर आरंभ हुआ। यही भावना ऑस्ट्रेलिया में हाल ही में भारतीय टीम की विजय में प्रतिध्वनित हुई जहां उनका लचीलापन 36 के स्कोर पर पूरी टीम निपटने के बाद वापस पलटवार करते हुए टेस्ट श्रृंखला जीतना वाकई में वी-आकार प्रदर्शन में दृष्टिगोचर हुआ। इसी प्रकार, 2020-21 की पहली तिमाही में 23.9% के तीव्र संकुच को अनुभव करने के पश्चात भारत से आशा है कि अगले दो वर्षों में वह सबसे अधिक तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था हो जाएगी। आईएमएफ सहित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों द्वारा लगाए गए अनुमान भारतीय अर्थव्यवस्था के इसी लचीलेपन को दर्शाते हैं।

इस पूरे वर्ष में भारत ने वैश्विक महामारी का बहादुरी से सामना किया है, इसने स्वयं का विशिष्ट प्रक्षेपवक्र बना लिया है- उल्लेखनीय संतुलन दिखाते हुए चाहे विषाणु (वायरस) से मुकाबला या आर्थिक सुधार को सुनिश्चित करना हो। यह मजबूती हमारी प्रणाली की ताकत से आई है जो कि सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों को बढ़ाने में सहायता करती है, स्वास्थ्य प्रतिक्रियाओं को ऊपर उठाया, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त खाद्य अनाज सुनिश्चित किया और आर्थिक सुधार में गति प्रदान किया। भारत को साहस उसकी 137 करोड़ भारतीयों के सहयोग से मिला जिन्होंने सामाजिक दूरी को बनाए रखा, मास्क को पहना, और इस लड़ाई में कठोर परिश्रम से योगदान दिया।

आर्थिक समीक्षा 2020-21 की टीम आर्थिक बढ़त और सामाजिक विकास के मार्ग पर बढ़ने की ओर प्रभावी नीति निर्माण की महत्वपूर्ण भूमिका को समझती है। रोगग्रस्त होने के दूसरे दौर से बचते हुए अर्थव्यवस्था में आया मोड़ भारत को रणनीतिक नीति निर्माण में अद्वितीय बनाता है जो किसी भी अपरिचित मार्ग को चुनने से नहीं घबराता और अंततः किसी भी परिस्थिति में यही परिवर्तन का कारण बनता है। भारत की वैश्विक महामारी का मानव केंद्रित प्रतिक्रिया जो भारत के विशेष संवेदनशीलताओं के अनुरूप है, ने अत्यंत गहन अनिश्चितता में आत्मविश्वास जगाने की शक्ति प्रदर्शित की। भारत ने जीवन और आजीविका के बीच अल्पकालिक व्यापार में दीर्घावधिक विजेता बनते हुए जीवन और आजीविका दोनों को बचा लिया। कल्पना और दूरदर्शिता के साथ भारत ने अपने स्वास्थ्य को सुदृढ़ कर और अवसंरचना की जांच कर और अर्थव्यवस्था की दीर्घावधि विकास की संभाव्यता को सुदृढ़ करने हेतु मौलिक सुधारों की एक खेप चलाकर इस संकट को एक अवसर में बदल दिया है।

नीति निर्माण में उद्देश्य की स्पष्टता होना आवश्यक है। क्योंकि विभिन्न बृहद आर्थिक नीति हमेशा निहित व्यापार को बंद करती है। सर्वेक्षण आर्थिक वृद्धि की निरंतरता पर केंद्रित है जो कि भारत के लिए अपने विकास के स्तर पर मुख्य आवश्यक उद्देश्य है। नीतिनिर्माण की प्रभावशीलता को निरंतर सुधार, नवोन्मेष, समय पर विनियामक सहायता और फोरबियरेंस की निकासी वाले घटक को सर्वे चित्रित करता है। पिछले सर्वेक्षण के प्रयासों से अर्थव्यवस्था को एक सामान्य व्यक्ति से जोड़ते हुए जारी रखा है, इस वर्ष भारत की सभी राज्यों में न्यूनतम आवश्यकताओं के सूचकांक को बनाता है।

डिजीटल प्रौद्योगिकी इस वर्ष का स्प्रिंटरनर रहा है जिससे इस वैश्विक महामारी के विनाशकारी प्रभाव से हम उबर सके। इसकी भूमिका को पहचानते हुए इस वर्ष यह समीक्षा डिजीटल हो गई है। इससे ई-रूप में पढ़ने में आसान बनाने के लिए पहली बार समीक्षा में पाठ का संरेखन एक कॉलम में है। हमने समीक्षा को दो खंडों में प्रस्तुत करने की प्रचलित परंपरा जारी रखना चुना है। खंड-I नीतिनिर्माण और उपकरणों के चुनौतियों का उसे और प्रभावी बनाने हेतु साक्ष्य आधारित आर्थिक विश्लेषण उपलब्ध कराने का प्रयास करता है। खंड-II इस वर्ष वैश्विक महामारी के कारण सामने आ रही चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ अर्थव्यवस्था के मुख्य क्षेत्रों में हालिया घटना क्रमों की समीक्षा करता है। ये विद्यमान स्थिति हेतु और क्षेत्रों हेतु दृष्टिपात करने के लिए रेडीरेकनर के रूप में कार्य करता है।

आर्थिक सर्वेक्षण अपने अस्तित्व और लोकप्रियता का श्रेय भारत सरकार के सभी मंत्रालयों ओर विभागों के सहयोगात्मक प्रयास, भारतीय आर्थिक सेवा के अधिकारियों तथा प्रबुद्ध व्यक्तियों के विलक्षण स्रोत आधार सरकार के भीतर और बाहर के अनुसंधानकर्ताओं परामर्शकों के मूल्यवान आदानों और आर्थिक प्रभाग, आर्थिक कार्य विभाग के सभी कार्मिकों द्वारा निरंतर सहायता को जाता हे। इस सर्वेक्षण ने भारतीय अर्थव्यवस्था के निष्पादन, चुनौतियों और संभावनाओं पर एक अपरिहार्य मार्गदर्शक होने की उम्मीदों पर खरा उतरने का ईमानदार प्रयास किया है।

जैसाकि हमारे पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने कहा था ''जब हम बाधाओं का सामना करते हैं, हम साहस और लचीलेपन के भीतर छुपे भंडार को खोज लेते हैं, जिसका हमें ज्ञान नहीं था कि वह हममें ही है.....हमें केवल उन्हें जानने और अन्य लोगों के साथ बढ़ने की जरूरत है। यह वर्ष भारतीय समाज और अर्थव्यवस्था के मौलिक सिद्धांतों के लचीलेपन और आंतरिक दृढ़ता का प्रमाण है। हम इस वर्ष का सर्वेक्षण इस गहन आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत कर रहे हैं कि भारतीयों ने किसी भी प्रतिकूलता के विरुद्ध विजयी होना साबित किया है। सर्वेक्षण 137 करोड़ भारतीयों के इसी आत्मविश्वास को नमन करता है।

कृष्णमूर्ति वी सुब्रमणियन
मुख्य आर्थिक सलाहकार
वित्त मंत्रालय, भारत सरकार

संकेताक्षर

एएवाई	अन्त्योदय अन्न योजना
एबीआरवाई	आत्म निर्भर भारत रोजगार योजना
एई	अग्रिम अनुमान
एजीएनआई	भारत में सुशासन और नेटवर्किंग के लिए कार्य
एआई	कृत्रिम बुद्धिमत्ता
एआईएसएचई	उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण
एएनबी	आत्म निर्भर भारत
एएनडीए	नए ड्रग अनुप्रयोग संक्षिप्त
एओए	कृषि पर समझौता
एपीआई	सक्रिय औषध सामग्री
एपीएल	गरीबी रेखा से ऊपर
एपीएमसी	कृषि उत्पाद बाजार समिति
एपीयू	अपील इकाई
एआरटीआईएस	व्यापार में भारतीय उद्योग और अन्य शेयरधारकों के उपचार के लिए आवेदन
एएसएआर	आयु विशेष उपस्थिति अनुपात
एएसईआर	शिक्षा रिपोर्ट पर वार्षिक स्थिति
एएसएचए	मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकता
एएसके	आयकर सेवा केंद्र
एयू	मूल्यांकन इकाई
एयूएम	प्रबंधाधीन परिसंपत्तियां
आयुष	आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा यूनानी सिद्ध और होम्योपैथी विभाग
बीडीएल	भारत डायनामिक्स लिमिटेड
बीई	बजट अनुमान
बीओसीडब्ल्यू	भवन एवं अन्य निर्माण कार्यकर्ता
बीओपी	भुगतान शेष
बीपीसीएल	भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड
बीपीएल	गरीबी रेखा से नीचे
बीपीओ	व्यवसाय प्रक्रिया आउटसोर्सिंग
ब्रिक्स	ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका
बीआरआर	व्यवसाय उत्तरदायित्व रिपोर्टिंग
बीआरएसआर	व्यापार उत्तरदायित्व और वहनीयता रिपोर्ट
सीएबी	चालू खाता घाटा
सीएसीपी	कृषि लागत और मूल्य के लिए आयोग
सीएजीआर	घातांकी वार्षिक वृद्धि दर
सीएपी	कवर एंड प्लिंथ
सीबीडीटी	केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड
सीबीआईसी	केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड
सीसीएपी	जलवायु परिवर्तन पहल कार्यक्रम
सीसीपीए	केंद्री उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण
सीडीआरआई	आपदा लोच आधारित संरचना के लिए परिसंघ
सीडीएससीओ	केंद्रीय ड्रग मानक नियंत्रण संगठन
सीएफपीआई	उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक
सीएफएस	कंटेनर फ्रेट स्टेशन
सीजीए	नियंत्रण एवं महालेखा परीक्षक
सीएचसी	सीमा शुल्क किराया केंद्र
सीएचई	चेन्नई
सीआईसी	प्रचलित मुद्रा
सीआईईटी	शैक्षणिक प्रौद्योगिकी के लिए केंद्रीय संस्थान
सीआईपी	केंद्रीय निर्गम मूल्य
सीआईपीएचईटी	फसल कटाई के बाद अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी के लिए केंद्रीय संस्थान
सीआईआरपी	कारपोरेट इंसालवेंसी रिजोल्यूशन प्रक्रिया
सीआईटी	कारपोरेट आयकर
सीएलपी	सरटिफाइड लॉजिस्टिक प्रोफेशनल
सीएलएसएस	साख आधारित सब्सिडी योजना
सीओसी	कोचीन
सीओआईसीओपी	उद्देश्य से व्यक्तिगत खपत का वर्गीकरण
सीओएनसीओआर	कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया
सीओपी	पक्षों का सम्मेलन
कोविड-19	कोरोना वायरस बीमारी 2019
सीपी	वाणिज्यिक पेपर

सीपीजीआरएएमएस	केंद्रीय सार्वजनिक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली
सीपीआई	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक
सीपीआई-एल	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक-कृषि श्रमिक
सीपीआई-सी	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक-संयुक्त
सीपीआई-आईडब्ल्यू	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक-औद्योगिक श्रमिक
सीपीआई-आरएल	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक-ग्रामीण श्रमिक
सीपीएसई	केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम
सीआरएआर	जोखिम भारित आस्ति की तुलना में आस्ति अनुपात
सीआरआर	कैश रिजर्व अनुपात
सीएससी	सामान्य सेवा केंद्र
सी.पी.एस.ई.	केन्द्रीय लोक सेवा उपक्रम
सी.आर.आई.एल.सी.	बड़े कोर्पोरेट्स पर सूचनाओं का केन्द्रीय भण्ड़ार
सी.एस.ओ.	केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन
सी.वी.सी.	केन्द्रीय सतर्कता आयोग
डी.बी.टी.	प्रत्यक्ष लाभ अंतरण
डी.सी.ए.	उपभोक्ता मामले विभाग
डी.जी.सी.आई. एण्ड एस.	वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय
डी.एच.एफ.एल.	दीवान हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
डी.आई.सी.जी.सी.	निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम
डी.आई.डी.	अंतरों-में-अंतर
डी.आई.आई.	घरेलू संस्थागत निवेशक
डी.आई.पी.ए.एम.(दीपम)	निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग
डी.पी.सी.ओ.	औषधि कीमतें नियंत्रण आदेश
डी.आर.टी.	ऋण वसूली न्यायाधिकरण
डी.वी.ए.	घरेलू मूल्यवर्धन
ई.सी.ए.	अनिवार्य वस्तु अधिनियम
ई.आई.एल.	इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड
ई-एन.ए.एम.	इलैक्ट्रॉनिक राष्ट्रीय कृषि बाजार
ई.ओ.डी.बी.	कारोबारी सुगमता
ई.एस.ओ.पी.	कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना
ई.टी.एफ.	विनिमय व्यापारित निधि
ई.यू.	यूरोपीय संघ
एफ.सी.आई.	भारतीय खाद्य निगम
एफ.डी.आई.	प्रत्यक्ष विदेशी निवेश
एफ. ई.	स्थाई प्रभाव
एफ.ई.एम.ए. (फेमा)	विदेशी विनिमय प्रबधंन अधिनियम
एफ.आई.आई.	विदेशी संस्थागत निवेशक
एफ.टी.ए.	मुक्त व्यापार करार
एफ.टी.सी.	संघीय व्यापार आयोग
एफ.वाई.	वित्त वर्ष
जी.डी.डी.पी.	सकल घरेलू जिला उत्पाद
जी.डी.पी.	सकल घरेलू उत्पाद
जी.सैक	सरकारी प्रतिभूतियां
जी.एस.एफ.सी.	गुजरात राज्य उर्वरक और रसायन
जी.एस.टी.	वस्तु एवं सेवा कर
जी.वी.सी.	वैश्विक मूल्य श्रंखलाएं
एच.सी.आई.	भारतीय होटल निगम
एच.ई.एल.पी. (हैल्प)	हाइड्रोकार्बन अन्वेषण एवं लाइसेंसिंग नीति
एच.एफ.सी.	आवास वित्त कंपनी
एच.एल.ए.जी.	उच्च स्तरीय सलाहकारी समूह
एच.पी.सी.एल.	हिन्दुस्तान पैट्रोलियम निगम लिमिटेड
एच.टी.	हिन्दुस्तान टेलीप्रिंटर्स
आई.बी.बी.आई.	भारतीय दिवालियापन एवं शोधन अक्षमता बोर्ड
आई.बी.सी.	दिवालियापन एवं शोधन अक्षयता संहिता
आई.बी.पी.	इंडो ब्राइट पेट्रोलियम
आई.सी.डी.	अंतर्देशीय कंटेनर डिपो
आई.सी.आई.सी.आई.	भारतीय औद्योगिक ऋण और निवेश निगम
आई.डी.बी.आई.	भारतीय औद्योगिक विकास बैंक
आई.ई.एफ.	आर्थिक स्वतंत्रता सूचकांक
आई.आई.पी	औद्योगिक उत्पादन सूचकांक
आई.एल.एफ.एस.	अवसंरचना लीजिंग और वित्तीय सेवाएं
आई.एम.एफ.	अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष

आई.-ओ.	आगम-निर्गम
आई.ओ.सी.	भारतीय तेल निगम
आई.पी.सी.एल.	भारतीय पैट्रोरसायन निगम लिमिटेड
आई.पी.ओ.	प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव
आई.आर.डी.ए.आई.	भारतीय बीमा विनियामक विकास प्राधिकरण
आई.एस.आई.	भारतीय सांख्यिकी संस्थान
आई.एस.डब्ल्यू.जी.एन.ए.	राष्ट्रीय लेखाओं पर अंतर-सचिवालीय कार्यदल
आई.टी.	सूचना प्रौद्योगिकी
आई.टी.सी.	अंतरराष्ट्रीय व्यापार केन्द्र
आई.टी.डी.सी.	भारतीय पर्यटन विकास निगम
जे.ए.एम.	जन धन-आधार मोबाइल
जे.एन.पी.टी.	जवाहरलाल नेहरू पार्ट ट्रस्ट
एल.डी.एम.एफ.एस.	नकदी ऋण म्यूचयल फण्ड
एम.ए.पी.ई.	अधिकतम अनुमत्य पश्च-विनिर्माण व्यय
एम.बी.ए.	व्यवसाय प्रशासन निष्णात
एम.सी.ए.	कार्पोरेट कार्य मंत्रालय
एम.एफ.आई.	लघु वित्त संस्थान
एम.एफ.आई.एल.	मॉडर्न फुड इंडस्ट्रिज लिमिटेड
एम.जी.एन.आर.ई.जी.ए.	महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम
एम.एम.टी.सी.एल.	खनिज और धातु व्यापार निगम लिमिटेड
एम.एन.ई.	बहु-राष्ट्रीय उद्यम
एम.पी.सी.	सीमांत उपभोग प्रवृत्ति
एम.पी.सी.ई.	मासिक प्रति व्यक्ति व्यय
एम.आर.टी.पी.	एकाधिकार और अवरोधक व्यापारिक व्यवहार
एम.एस.एम.ई.	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम
एम.एस.पी.	न्यूनतम समर्थन मूल्य
एम.टी.एन.एल.	महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड
एम.यू.एल.	मारूति उद्योग लिमिटेड
एन.बी.एफ.सी.	गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां
एन.सी.डी.	अपरिवर्तनीय डिबेंचर
एन.ई.एल.पी.	नवीन अन्वेषण लाइसेंसिग नीति
एन.एफ.एस.ए.	राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम
एन.आई.टी.आई. (नीति)	राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान
एन.एल.ई.एम.	अनिवार्य औषधियों की राष्ट्रीय सूची
एन.एम.डी.सी.	राष्ट्रीय खनिज विकास निगम
एन.एम.एस.ए.	राष्ट्रीय संधारणीय कृषि मिशन
एन.पी.	नेटवर्क उत्पाद
एन.पी.ए.	अनर्जक परिसंपत्ति
एन.पी.बी.	नए निजी बैंक
एन.पी.पी.ए.	राष्ट्रीय औषध मूल्य निर्धारण प्रधिकरण
एन.आर.ए.आई.	भारतीय राष्ट्रीय रेस्त्रां संघ
एन.एस.ओ.	राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय
एन.टी.सी.	राष्ट्रीय वस्त्र निगम
ओ.ई.सी.डी.	आर्थिक सहयोग और विकास संगठन
ओ.एन.जी.सी.	तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग
ओ.पी.बी.	पुराने निजी बैंक
ओपेक्स अनुपात	प्रचालन व्यय अनुपात
पी. एंड सी.	भाग एवं घटक
पी.ए.टी.	कर पश्चात लाभ
पी.डी.पी.एस.	भावांतर भुगतान योजना
पी.डी.एस.	सार्वजनिक वितरण प्रणाली
पी.के.वी.वाई.	परंपरागत कृषि विकास योजना
पी.एल.एफ.एस.	आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण
पी.एम.-आशा	प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान
पी.एम.एफ.बी.वाई.	प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना
पी.एम.जी.एस.वाई.	प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना
पी.एम.जे.डी.वाई.	प्रधानमंत्री जन धन योजना
पी.एम.के.एस.वाई.	प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना
पी.पी.एस.एस.	निजी प्रापण और स्टॉकिस्ट स्कीम
पी.एस.बी.	सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक
पी.एस.एफ.	मूल्य स्थिरीकरण कोष
पी.एस.एस्क.	मूल्य समर्थन स्कीम
पी.एस.यू.	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम
आर.बी.आई.	भारतीय रिजर्व बैंक
आर.सी.ई.पी.	क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी
आर.ई.सी.	ग्रामीण विद्युतीकरण निगम
आर.ओ.ए.	आस्तियों पर परिलाभ

आर.ओ.ई.	इक्विटी पर परिलाभ
आर.पी.टी.	संबंधित पक्ष के लेन-देन
एस.ए.एफ.टी.ए.(साफ्टा)	दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र
एस.ए.आई.एल.	भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड
एस.बी.आई.	भारतीय स्टेट बैंक
एस.सी.आई.	भारतीय नौवहन निगम
एस.डी.जी.	संधारणीय विकास लक्ष्य
एस.ई.बी.आई.	भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड
एस.ई.सी.	प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग
एस.एच.आर.यू.जी.	भारत के सामाजिक-आर्थिक उच्च-विभेदन ग्रामीण-शहरी भौगोलिक डाटासेट
एस.आई.सी.ए.	रूग्ण औद्योगिक कंपनी अधिनियम
एस.आई.डी.बी.आई.	भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक
एस.आई.टी.सी.	मानक अंतरराष्ट्रीय व्यापार वर्गीकरण
एस.के.डी.	आधी कीमतें
एस.एम.ई.एस.	लघु और मध्यम आकारीय उद्यम
एस.एन.ए.	राष्ट्रीय लेखा प्रणाली
टी.-बिल	खजाना बिल
टी.एफ.पी.	कुल घटक उत्पादकता
टी.पी.डी.एस.	लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली
यू.एन.	संयुक्त राष्ट्र
यू.एन.आई.डी.ओ. (यूनिडो)	संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन
यू.एन.एस.सी.	संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकीय आयोग
यू.एस.ए.	संयुक्त राज्य अमेरिका
यू.एस.डी.	संयुक्त राज्य डॉलर
डब्ल्यू.सी.ओ.	विश्व सीमा शुल्क संगठन
डब्ल्यू.डी.आई.	विश्व विकास संकेतक
डब्ल्यू.आई.पी.ओ.	विश्व बौद्धिक संपदा संगठन
वाई.ओ.वाई.	वर्ष-दर-वर्ष